

A Report on the
MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

Between

INDIRA GANDHI NATIONAL CENTER FOR THE ARTS, NEW DELHI

(An Autonomous Trust of Ministry of Culture, Government of India)

&

DIRECTORATE OF ARCHAEOLOGY, ARCHIEVES & MUSEUMS, RAIPUR

(Government of Chhattisgarh)



Signed on

2nd February 2023

At

Office of the Minister

Ministry of Culture

Govt. of Chhattisgarh

A Memorandum of Understanding signed between Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNA), New Delhi under Ministry of Culture, Govt. of India and Directorate of Archaeology, Archives and Museums (DAAM), Raipur, Chhattisgarh, under Ministry of Culture, Govt. of Chhattisgarh on 2nd February 2023. Dr. Ramakar Pant, Head of Adi Drishya Department, IGNCA and Shri Vivek Acharya, Director of DAAM signed two MoU's in the presence of Shri Amarjit Singh Bhagat, Culture Minister of Chhattisgarh. The details of the collaboration are as follows;

1. General MoU on Academic Collaborations

The main aim of this MoU is to collaborate in the academic matters between the both organisations in rock art. It may be taken into the account of collaborative research projects, training and faculty enhancement activities, access and sharing of library data from both institutions, organising seminars/ conferences, workshops, exhibitions, etc., development and sharing of digital data, rock art/ archaeological/ ethnographic surveys, documentation, excavation, rock art site protection and conservation to be carried out in the state of Chhattisgarh.

2. Permanent Rock Art Gallery at the Mahant Ghasidas Memorial Museum

To set up a permanent rock art gallery at MGM Museum, Raipur. The display will be the representation of Indian rock art as well as its continuity with tribal art in the region.

Dr. Dileep Kumar Sant (Assistant Professor), Praveen C. K. (Project Associate), Md. Zakir Khan (Project Assistant) from Adi Drishya Department and Dr. Pratap Chandra Parakh (Deputy Director), Praveen Tircky and Dr. Rajiv J Minj (Excavation Assistant) from the DAAM was present on the occasion. Shri Amarjit Singh felicitated

the Team from Adi Drishya Department with the traditional shawl from the state of Chhattisgarh.



Signing the MoU by Shri Vivek Acharya, Director, DAAM (left), Shri Amarjit Singh, Cultural Minister, Chhattisgarh (Centre) and Dr. Ramakar Pant, Head-Adi Drishya Department (Right)



रायपुर • शुक्रवार • 03.02.2023
navabharat.news

3

डी.पी.एस. में स्नातक दिवस पर रंगारंग आयोजन

रायपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल, रायपुर में बच्चों के लिए स्नातक दिवस का आयोजन किया गया। सेरेमनी में विद्यालय के प्री-प्रायमरी के छात्रों को अनौपचारिक शिक्षा के समाप्त होने पर सम्मानित किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि बालको हॉस्पिटल, रायपुर की मेडिकल डायरेक्टर और वरिष्ठ ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. भावना सिराही के साथ ही बड़ी संख्या में अभिभावक, मीडिया रिपोर्टर और शिक्षक शामिल थे। स्कूल के प्रोवाइस चेरमैन बलदेव सिंह भाटिया ने अतिथियों का स्वागत किया।



गढ़वा • छत्तीसगढ़

शैल कला पर महंत घासीदास संग्रहालय में अलग दीर्घा

संस्कृति-पुरातत्व विभाग व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के बीच एमओयू

नवभारत ब्यूरो। रायपुर। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने, संरक्षण व संवर्धन के लिए संयुक्त रूप से केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य करेंगे। इसके लिए गुरुवार को संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत की मौजूदगी में संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार व संग्रहालय रायपुर तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र नई दिल्ली के मध्य परस्पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौते में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र द्वारा स्थानीय छात्रों, पर्यटकों, शोधार्थियों एवं जनमानस को उनकी पुरा-संस्कृति के वास्तविक पक्षों से परिचित कराने के लिए विश्व व भारत की शैल कला के साथ छत्तीसगढ़ की शैल कला पर महन्त घासीदास स्मारक संग्रहालय रायपुर में अलग से दीर्घा स्थापित की जाएगी। साथ ही दोनों संस्थाओं की विभिन्न अकादमिक कार्यक्रमों-परियोजनाओं जैसे शोध प्रशिक्षण, डिजिटल संसाधनों का संकलन, सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण तथा राज्य संरक्षित शैलाश्रयों के संरक्षण-परिरक्षण जैसे कार्यों में सहायक होगी।

← → ↻ <https://www.bhaskar.com/local/chhattisgarh/raipur/news/a-separate-gallery-will-be-built-on-rock-art-in>

Getting Started Attendance.gov.in | Da... Email: Inbox Gmail Manorama Online : Br... Mathrubhumi: Malaya... IGNC | Indira Gandhi ...

दैनिक भास्कर [होम](#) [वीडियो](#) [सर्च](#) [वेब स्टो](#)

टॉप न्यूज़

राज्य-शहर

DB ओरिजिनल

बॉलीवुड

क्रिकेट

वुमन

देश

विदेश

बिजनेस

राशिफल

स्पोर्ट्स


करिअर

टेक - ऑटो

Hindi News / Local / Chhattisgarh / Raipur / A Separate Gallery Will Be Built On Rock Art In Raipur: Government Signs Agreement With Indira Gandhi National Center For The Arts, Will Work Together To Save Heritage

रायपुर में रॉक आर्ट पर अलग गैलरी बनेगी: सरकार ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के साथ किया करार, धरोहर सहेजने में मिलकर करेंगे काम

रायपुर एक महीने पहले [f](#) [t](#) [e](#)



संस्कृति मंत्री की मौजूदगी में दोनों संस्थाओं के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।

रायपुर के ऐतिहासिक महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में शैल कला (रॉक आर्ट) पर अलग से गैलरी बनाई जाएगी। यह काम नई दिल्ली का इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र करेगा। यह परियोजना उस करार का हिस्सा है जो पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय संचालनालय ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के साथ किया है। इस करार के जरिए दोनों संस्थान मिलकर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने और संरक्षित करने का काम करेंगे।

संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत की उपस्थिति में गुरुवार को संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय रायपुर व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली के बीच परस्पर समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर हुआ है। अधिकारियों ने बताया, इस समझौते में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की ओर से स्थानीय छात्रों, पर्यटकों, शोधार्थियों और जनमानस को उनकी पुरा-संस्कृति के वास्तविक पक्षों से परिचित कराने के लिए विश्व व भारत की शैल कला के साथ छत्तीसगढ़ की शैल कला पर महन्त घासीदास स्मारक संग्रहालय में अलग से दीर्घा स्थापित की जाएगी। साथ ही दोनों संस्थाओं की विभिन्न अकादमिक कार्यक्रमों-परियोजनाओं जैसे शोध प्रशिक्षण, डिजिटल संसाधनों का संकलन, सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण तथा राज्य संरक्षित शैलाश्रयों के संरक्षण-परिरक्षण जैसे कार्यों में सहायता होगी। संस्कृति मंत्री ने कहा कि “छत्तीसगढ़ की धरोहरों और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में यह समझौता ज्ञापन महत्वपूर्ण है। इस मौके पर संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक विवेक आचार्य, उप संचालक डॉ. पी.सी. पारख, उत्खनन सहायक प्रवीण तिर्की, डॉ. राजीव मिंज और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र नई दिल्ली से शैलकला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमाकर पंत, सहायक प्राध्यापक डॉ. दिलीप संत और परियोजना सहायक जाकिर खान आदि मौजूद रहे।

खबरें और भी हैं...

‘सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने का करेंगे साझा प्रयास’

रायपुर (राज्य ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने, संरक्षण और संवर्धन के लिए संयुक्त रूप से केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य करेंगे। इसके लिए गुरुवार को मंत्री अमरजीत भगत की उपस्थिति में संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय रायपुर तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली के मध्य परस्पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ। इस समझौते में

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र द्वारा स्थानीय छात्रों, पर्यटकों, शोधार्थियों एवं जनमानस को उनकी पुरा संस्कृति के वास्तविक पक्षों से परिचित कराने के लिए विश्व व भारत की शैल कला के साथ छत्तीसगढ़ की शैल कला पर महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय रायपुर में अलग से दीर्घा स्थापित की जाएगी। मंत्री भगत ने कहा विभाग छत्तीसगढ़ की संस्कृति व पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं को सहेजने के लिए प्रतिबद्ध है।